पुस्तकालय : छपे हुए शब्दों का ऊर्जाघर

– मोहन चन्द्र पाठक

जगह कोई हो पुस्तकालय हमेशा बिना किसी शोर शराबे के अपना काम करते रहते हैं। वे छपे हुए शब्दों के जरिये लोगो के दिमाग को नयी ऊर्जा देकर उन्हें जीवन में आगे बढने में मदद देते हैं। इलैक्ट्रानिक मीडिया में भले ही अब किताबे और अखबार कम्प्यूटर स्क्रीन पर पढ़े जाने लगे हैं, पर छपे हुए शब्दों की ताकत अब भी उनसे कही ज्यादा है। आज भी किताबों और अखबारों की पहुंच करोड़ों लोगों तक है जबकि इंटरनेट और कम्प्यूटर का उपयोग अब भी सीमित ही है। यह छाया–प्रकाश का एक आभासी सत्य है। जबकि छपा हुआ शब्द अधिक जन सुलभ और ठोस यथार्थ है। आने वाले समय में भी छपे हुए शब्दों की यह ताकत कम होती हुई नहीं दिखती।

सभी प्रकार का ज्ञान भाषा में ही मूर्त होता है। अतः छपे हुए शब्द, यानि किताबें यानि पुस्तकालय प्रकारांतर से भाषा का ही संस्थान ठहरते है। अज़ीम प्रेमजी फाउन्डेशन ने छपे हुए शब्दों की इस ताकत को पहचाना है। इसलिए उसका पुस्तकालय शिक्षा और ज्ञान की उसकी प्रसार योजना का एक महत्वपूर्ण भाग है।

पूरे देश में जहां–जहां संस्थान के कार्यालय हैं वहां उनके पुस्तकालय भी स्थित हैं। इसी श्रृंखला में उत्तराखण्ड राज्य के राज्य संस्थान, जिला संस्थानों तथा विकास खण्ड स्तर पर खोले गए शिक्षक अधिगम केन्द्रों (टी.एल. सी.) में पुस्तकालय अहम स्थान रखते हैं जहां शिक्षकों, शिक्षक–शिक्षकों, युवाओं व बुजुर्गो से साथ साथ बच्चो का भी आना जाना लगा रहता है।

फिलहाल उत्तराखण्ड के देहरादून, उत्तरकाशी व ऊधमसिंह नगर के जिलों से शुरू होकर यह योजना अब उत्तराखण्ड के कुल ग्यारह जिलों (देहरादून, उत्तरकाशी, उधमसिंह नगर, अल्मोड़ा, बागेश्वर, चम्पावत, पिथोरागढ़, नैनीताल, श्रीनगर (पौड़ी), रुद्रप्रयाग व टिहरी को लगाकर) में पच्चीस जगहों पर संचालित होकर शिक्षा जगत में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

अक्टूबर 2015 के आंकड़ों के अनुसार हमारे पुस्तकालयों में पंजीकृत सदस्यों की संख्या इस प्रकार है– देहरादून जिला–252, उत्तरकाशी–1741, ऊधमसिंह नगर–229, अल्मोड़ा जिला–129। यह सदस्य संख्या दिन–प्रतिदिन बढ़ रही है। अज़ीम प्रेमजी फाउंडेशन–पुस्तकालयों की सदस्यता निःशुल्क है। पुस्तकालयों में शैक्षिक–साहित्यिक पुस्तकें, बाल साहित्य, महत्वपूर्ण शैक्षिक रिपोर्ट, सी.डी., डी वी. डी, टी.एल.एम. (विज्ञान किट, गणित किट, ग्लोब... आदि) के साथ ऑनलाइन जर्नल्स के संस्करण भी उपलब्ध हैं जिनसे पाठकों को ज्ञान संग्रह में मदद मिल सके।

यद्यपि पुस्तकालय सभी के लिए सुलभ हैं। लेकिन ये शिक्षकों को विशेष रूप से प्रोत्साहित करते हैं। क्योंकि शिक्षक ही शिक्षा की सबसे बड़ी शक्ति हैं। इसलिए फाउंडेशन की पुस्तकालय योजना खुद को उनकी अकादमिक और बौद्धिक जरूरतों के अनुसार ढालने की कोशिश में जुटी हुई है। हमारे पुस्तकालय अपने पाठकों के विनम्र इन्तजार में रहते है।

(लेखक अजीम प्रेमजी फाउंडेशन से जुड़े हैं)

देहरादून
अज़ीम प्रेमजी फाउंडेशन, 53, ई.सी. रोड़, देहरादून,
फोन : 0135–2659864

उत्तरकाशी
अज़ीम प्रेमजी फाउंडेशन, कुड़ियाल भवन, भटवाड़ी रोड, उत्तरकाशी–249193 फोन/फैक्स : 01374–222505

दिनेशपुर, ऊधमसिंह नगर
अज़ीम प्रेमजी फाउंडेशन, वार्ड नं.3, निकट गुरूद्वारा, दिनेशपुर, ऊधमसिंह नगर

अल्मोड़ा
अज़ीम प्रेमजी फाउंडेशन, लोअर माल रोड, कनार्टक खोला, निकट डायट, अल्मोड़ा–263601

पौड़ी
अज़ीम प्रेमजी फाउंडेशन, दूसरा तल, भंडारी भवन, गोलाबाजार, श्रीनगर, पौड़ी गढ़वाल